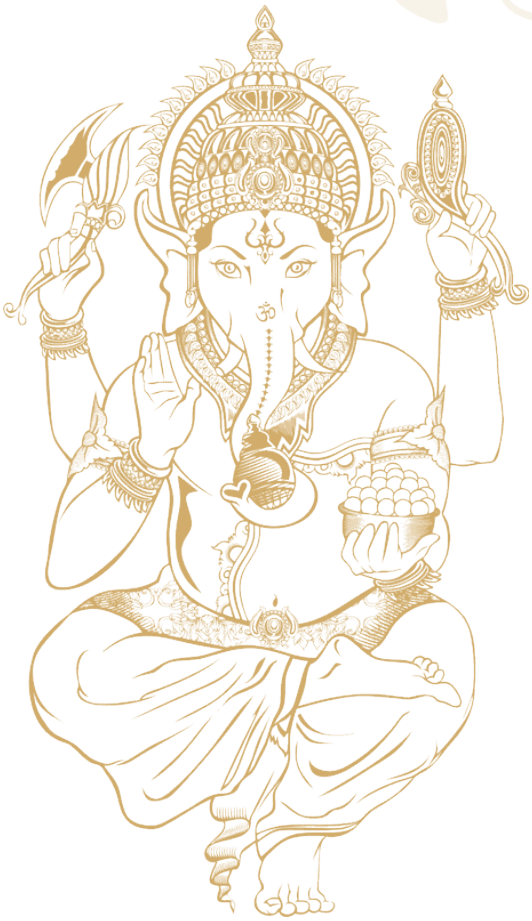

Shubhank Mahima

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119331001

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119331001 Date: 03/09/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
17-18/11/1995	जन्म तिथि	22/08/1998
शुक्र-शनिवार	दिन	शनिवार
घंटे 04:50:00	जन्म समय	20:40:00 घंटे
घटी 56:27:27	जन्म समय(घटी)	37:20:28 घटी
India	देश	India
Raipur	स्थान	Rajnandgaon
21:16:00 उत्तर	अक्षांश	21:05:00 उत्तर
81:42:00 पूर्व	रेखांश	81:05:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:03:12	स्थानिक संस्कार	-00:05:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:15:01	सूर्योदय	05:46:28
17:20:54	सूर्यास्त	18:30:21
23:48:04	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:10
तुला	लग्न	मीन
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
कन्या	राशि	सिंह
बुध	राशि-स्वामी	सूर्य
उ०फाल्गुनी	नक्षत्र	मघा
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	केतु
2	चरण	4
विष्कुम्भ	योग	शिव
विष्टि	करण	बव
टो-टोनी	जन्म नामाक्षर	मे-मेनका
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
वैश्य	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	वनचर
गौ	योनि	मूषक
मनुष्य	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
श्वान	वर्ग	मूषक

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Member
All India Federation Of Astrologers Society
Professor colony Raipur Chhattisgarh
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 4वर्ष 4मा 29दि		11:27:46	तुला	लग्न	मीन	18:17:52	केतु 0वर्ष 9मा 24दि	
राहु		01:19:53	वृश्चि	सूर्य	सिंह	05:29:19	चन्द्र	
18/04/2017		00:11:19	कन्या	चंद्र	सिंह	11:46:46	16/06/2025	
18/04/2035		26:43:26	वृश्चि	मंगल	कर्क	07:20:33	16/06/2035	
राहु	30/12/2019	28:17:17	तुला	बुध व	कर्क	22:14:04	चन्द्र	16/04/2026
गुरु	24/05/2022	25:45:48	वृश्चि	गुरु व	मीन	02:14:46	मंगल	15/11/2026
शनि	30/03/2025	24:17:07	वृश्चि	शुक्र	कर्क	17:28:36	राहु	16/05/2028
बुध	18/10/2027	24:12:27	कुंभ व	शनि व	मेष	09:45:04	गुरु	15/09/2029
केतु	04/11/2028	02:24:58	तुला	राहु	सिंह	07:37:06	शनि	16/04/2031
शुक्र	05/11/2031	02:24:58	मेष	केतु	कुंभ	07:37:06	बुध	15/09/2032
सूर्य	29/09/2032	03:28:35	मक	हर्ष व	मक	16:10:41	केतु	16/04/2033
चन्द्र	31/03/2034	29:29:55	धनु	नेप व	मक	06:10:21	शुक्र	16/12/2034
मंगल	18/04/2035	06:28:54	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:28:17	सूर्य	16/06/2035

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:48:04 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:10

लग्न-चलित

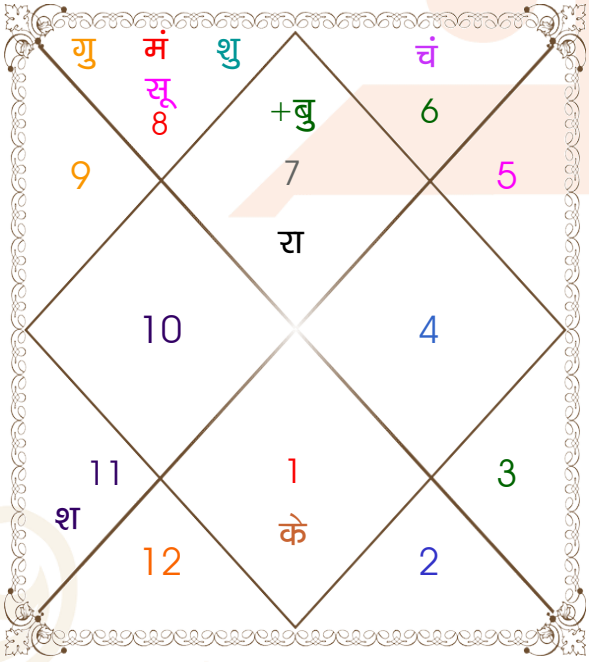

लग्न-चलित

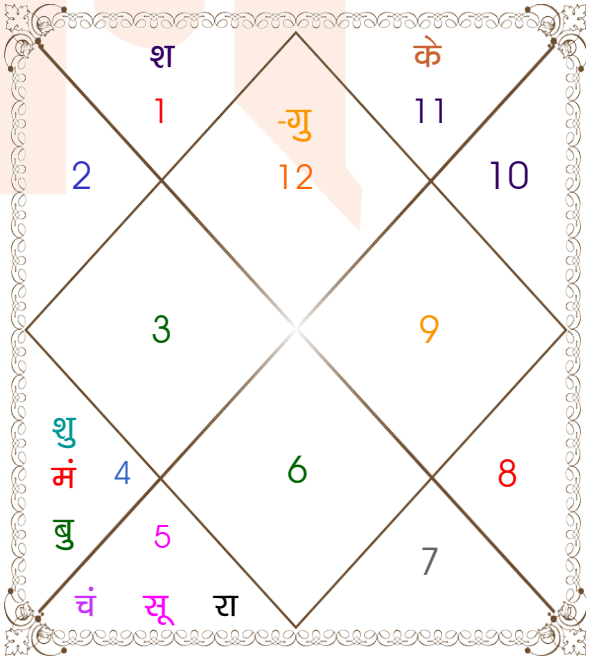

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Member
All India Federation Of Astrologers Society
Professor colony Raipur Chhattisgarh
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	सूर्य	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कन्या	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	15.50		

कुल : **15.5 / 36**

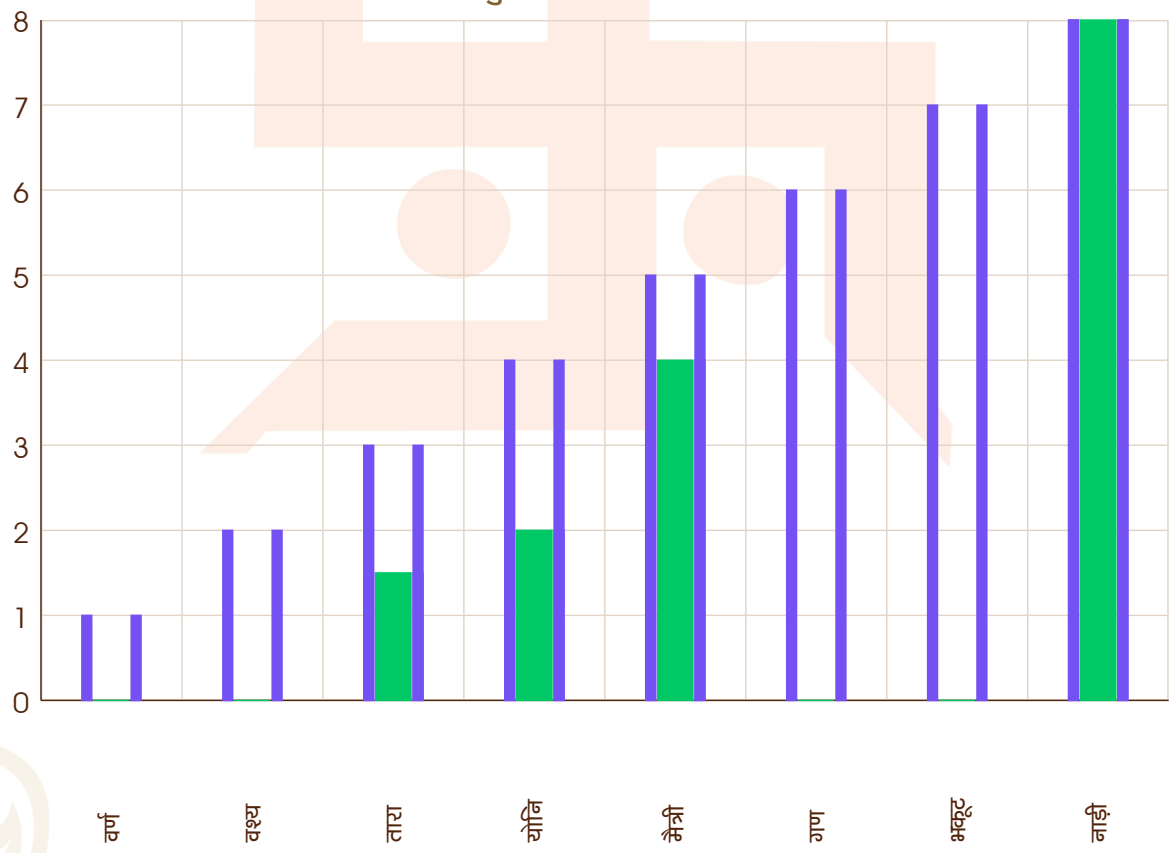

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Member
All India Federation Of Astrologers Society
Professor colony Raipur Chhattisgarh
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Shubhank का वर्ग श्वान है तथा डीपउं का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Shubhank और डीपउं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Shubhank मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

डीपउं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Shubhank तथा डीपउं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Shubhank का वर्ण वैश्य है तथा डीपउं का वर्ण क्षत्रिय हैं। क्योंकि डीपउं का वर्ण Shubhank के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। इसके फलस्वरूप डीपउं अति वर्चस्वशाली, आक्रामक, झगड़ालू प्रवृत्ति की होगी एवं देखभाल नहीं करने वाली होगी। डीपउं को हमेशा यह घमंड एवं अहंकार होता रहेगा कि वह अपने पति से श्रेष्ठ है तथा हमेशा अपने पति एवं पति के परिवार के सदस्यों को नीची निगाह से देखने वाली होगी।

वश्य

Shubhank का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं डीपउं का वश्य वनचर अर्थात सिंह (शेर) है अतः यह मिलान बहुत अशुभ मिलान है। शेर हमेशा मनुष्य के लिए संकट उपस्थित करता है। ये मनुष्य को हानि पहुंचाता है तथा घायल करते हैं व कभी-कभी मारकर खा भी जाते हैं। अतः यह मिलान उचित नहीं है क्योंकि Shubhank हमेशा डीपउं से भय महसूस करेगा। डीपउं हमेशा Shubhank पर हावी रहेगी, पति के ऊपर वर्चस्व स्थापित करेगी तथा अपने पति को अपनी हर आज्ञा के लिए बाध्य करेगी जो स्वीकार करने योग्य नहीं है क्योंकि इससे विकास एवं समृद्धि प्रभावित होगी। डीपउं हमेशा कोई न कोई समस्या उत्पन्न करती रहेगी जिससे घर एवं परिवार की शांति भंग होगी।

तारा

Shubhank की तारा विपत तथा डीपउं की तारा मित्र है। Shubhank की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Shubhank एवं Shubhank के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि डीपउं हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर डीपउं को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

योनि

Shubhank की योनि गौ है तथा डीपउं की योनि मूषक है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में

दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Shubhank का राशि स्वामी डीपउं के राशि स्वामी से मित्र का संबंध रखता है। जबकि डीपउं का राशि स्वामी Shubhank के राशि स्वामी के साथ सम का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए मित्र हो किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को सम मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पत्ति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

Shubhank का गण मनुष्य तथा डीपउं का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः डीपउं का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण Shubhank एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

Shubhank से डीपउं की राशि द्वादश भाव में स्थित है डीपउं से Shubhank की राशि द्वितीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके फलस्वरूप दोनों के बीच कलह, लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं परिवार में कुछ अनहोनी घटनाएं आदि हो सकती हैं। इस मिलान में Shubhank परिश्रमी, परिवार से प्रेम करने वाला, अच्छा कमाने वाला तथा बचत करने वाला होगा किंतु डीपउं का स्वभाव इसके ठीक विपरीत होगा। डीपउं की

शारीरिक स्थिति कमजोर तथा स्वास्थ्य अक्सर खराब रह सकता है। साथ ही डीपउं तुरंत क्रोधित होने वाली तथा अपव्ययी होंगी। वह अपने पति द्वारा कमाए गए पैसों को अपने फालतू शौकों एवं दिखावे में व्यय करने वाली होंगी। परिणामतः दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे।

नाड़ी

Shubhank की नाड़ी आद्य है तथा डीपउं की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान में शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ का संतुलन होता है। Shubhank की आद्य नाड़ी तथा डीपउं की अन्त्य नाड़ी अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ एवं मजबूत शरीर, दम्पत्ति के आपसी प्रेम एवं समझदारी की द्योतक हैं। जिसके कारण आपकी संतान स्वस्थ, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Shubhank की जन्म राशि पृथ्वी तत्व युक्त कन्या तथा डीपउं की राशि अग्नितत्व युक्त सिंह है। नैसर्गिक रूप से पृथ्वी एवं अग्नि तत्व में असमानता होने के कारण Shubhank और डीपउं के स्वाभाविक गुणों में विषमता रहेगी फलतः दाम्पत्य संबधों में मधुरता की न्यूनता रहेगी। अतः मिलान अच्छा नहीं रहेगा।

Shubhank की जन्म राशि का स्वामी बुध तथा डीपउं की राशि का स्वामी सूर्य परस्पर मित्र एवं समभाव में पड़ते हैं। अतः यदि Shubhank और डीपउं थोड़ा सामंजस्य की प्रवृति का अनुपालन करें तथा एक दूसरे को पूर्ण सम्मान सहयोग तथा सुख प्रदान करने के लिए तत्पर रहें तो उनका वैवाहिक जीवन सुखी हो सकता है। साथ ही इसके प्रभाव से Shubhank और डीपउं एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे संबधों में मधुरता बनी रहेगी परन्तु डीपउं की उदासीन प्रवृति यदा कदा Shubhank के लिए परेशानी का कारण बन सकती है।

Shubhank और डीपउं की जन्म राशियां परस्पर द्वादश एवं द्वितीय भाव में पड़ती हैं। यह भकूट दोष माना जाता है अतः इसके प्रभाव से Shubhank और डीपउं की मानसिकता में असमानता रहेगी तथा किसी भी कार्य को एकमत से सम्पन्न करने में परस्पर असहमति का भाव रहेगा। साथ ही डीपउं की क्रोधी प्रवृति भी संबधों में तनाव एवं कटुता का वातावरण उत्पन्न करेगी। अतः सुखी वैवाहिक जीवन के लिए उपरोक्त बातों की उपेक्षा करनी चाहिए।

Shubhank का वश्य मानव तथा डीपउं का वश्य वनचर है। नैसर्गिक रूप से मानव एवं वनचर के मध्य शत्रुता एवं विषमता का भाव रहता है। अतः Shubhank और डीपउं शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर एक दूसरे के प्रतिकूल रहेंगे। जिससे शारीरिक संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ से होंगे।

Shubhank का वर्ण वैश्य तथा डीपउं का वर्ण क्षत्रिय है। अतः Shubhank धनार्जन एवं वणिक बुद्धि से कार्य करने में तत्पर रहेंगे लेकिन डीपउं की प्रवृति पराक्रमी एवं साहसी कार्यो को करने की रहेगी फलतः यदा कदा कार्य क्षेत्र संबधी विषमता स्पष्ट दृष्टि गोचर होगी।

धन

Shubhank और डीपउं दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। Shubhank और डीपउं दोनों की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है। अतः यह भकूट दोष माना जाएगा जिससे धनार्जन में परिश्रम की बहुलता रहेगी लेकिन मंगल के शुभ प्रभाव से उचित धन प्राप्त करके आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता बनी रहेगी।

भकूट दोष के प्रभाव से Shubhank की प्रवृति व्ययशील होगी। वह जुआ सट्टा लाटरी

आदि पर भी वे अधिक व्यय करेंगे जिससे यदा कदा अर्थिक विषमता की अनुभूति हो सकती है लेकिन इसका प्रभाव अधिक समय तक नहीं रहेगा। सामान्यतया स्थिति अनुकूल ही रहेगी तथापि Shubhank को ऐसी प्रवृतियों की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

Shubhank की नाड़ी आद्य तथा डीपउं की नाड़ी अंत्य है। अतः दोनों की नाड़ियां अलग अलग होने के कारण वे नाड़ी दोष से मुक्त माने जाएंगे। इसके प्रभाव से उनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा पराक्रम एवं परिश्रम से अपने सांसारिक महत्व के कार्यो को सम्पन्न करने में समर्थ होंगे जिससे उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही मंगल का भी इनमें किसी के भी स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Shubhank और डीपउं का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Shubhank और डीपउं के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में डीपउं के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन डीपउं को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में डीपउं को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Shubhank और डीपउं सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Shubhank और डीपउं का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

डीपउं के अपनी सास से संबधों में अनुकूलता तथा मधुरता रहेगी तथा उनकी तरफ से डीपउं किसी भी अनावश्यक समस्या या असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। डीपउं के हृदय में उनके प्रति सेवा भाव रहेगा तथा अपनी सेवा के द्वारा उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने के लिए प्रयत्नशील रहेंगी। यद्यपि यदा कदा इनके मध्य मतभेद या विवाद भी होंगे लेकिन यह अल्प समय के लिए होगा तथा सामान्यतया संबधों में मधुरता बनी रहेगी।

उनके ससुर से डीपउं को विशेष स्नेह सम्मान तथा अनुकूलता प्राप्त नहीं होगी

तथा के द्वारा डीपउं को समय समय पर समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा लेकिन देवर एवं ननदों से डीपउं के अत्यंत ही स्नेह एवं सौहार्द पूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे इन्हें पूर्ण सम्मान तथा सहयोग मिलेगा। साथ ही परस्पर संबधों में मित्रता का भाव रहेगा तथा आपसी समस्याओं तथा सुख दुख में एक दूसरे को अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। इस प्रकार डीपउं के सास ससुर का दृष्टिकोण सामान्यतया अनुकूल नहीं रहेगा।

ससुराल-श्री

Shubhank की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर Shubhank सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन Shubhank ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का Shubhank के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।